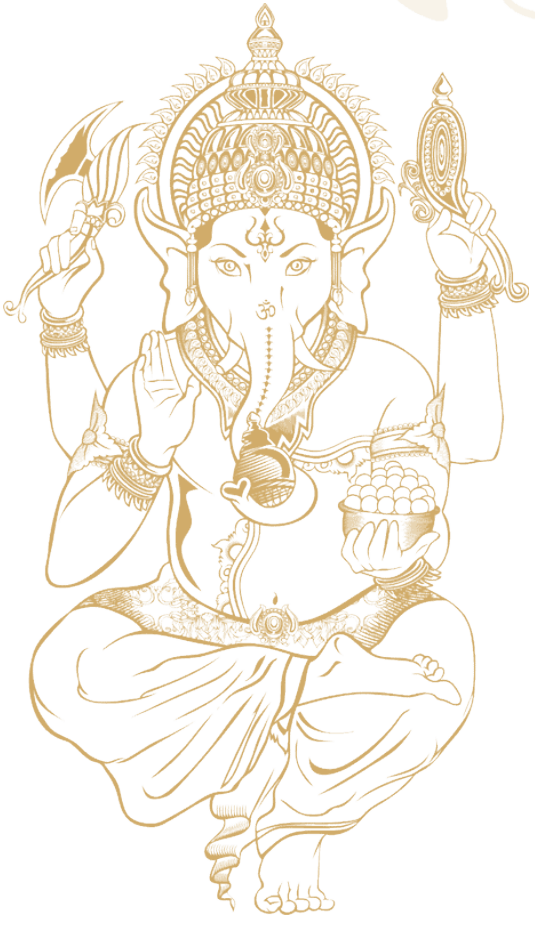

Divyansh Chouhan

25 Oct 2004

11:12 PM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 121180502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/10/2004**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:12:00 घंटे**
इष्ट	41:48:47 घटी
स्थान	**Ujjain**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:11:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:45:20 घंटे
वेलान्तर	00:15:58 घंटे
साम्पातिक काल	01:03:08 घंटे
सूर्योदय	06:28:29 घंटे
सूर्यास्त	17:52:50 घंटे
दिनमान	11:24:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:43:49 तुला
लग्न के अंश	29:38:59 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:38:59	315:35:36	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			तुला	08:43:49	00:59:49	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मीन	10:06:37	13:13:58	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	25:11:31	00:39:25	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	21:27:22	01:31:31	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	12:34:06	00:12:16	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	02:06:52	01:12:09	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शनि			कर्क	03:14:59	00:01:31	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु			मेष	08:13:36	00:00:01	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			तुला	08:13:36	00:00:01	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:04:19	00:00:50	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	18:41:08	00:00:03	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:26:22	00:01:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मीन	23:11:50	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:17

लग्न-चलित

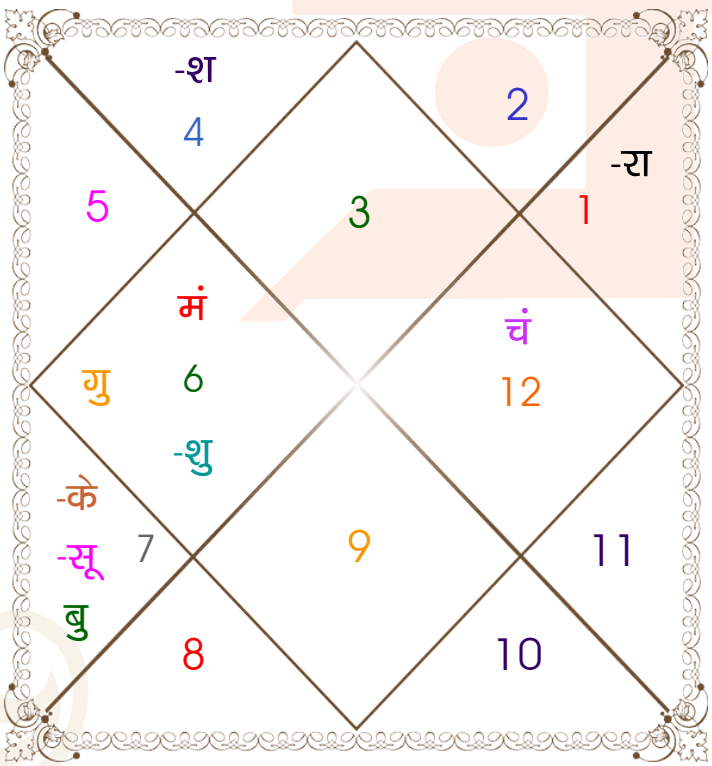

चन्द्र कुंडली

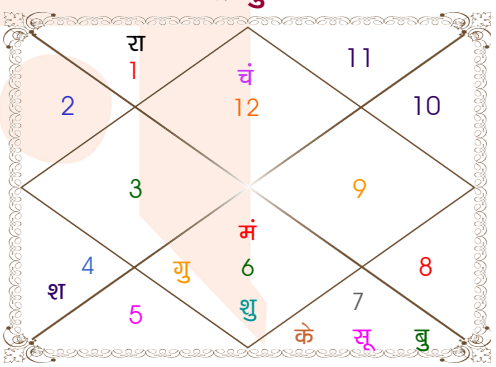

नवमांश कुंडली

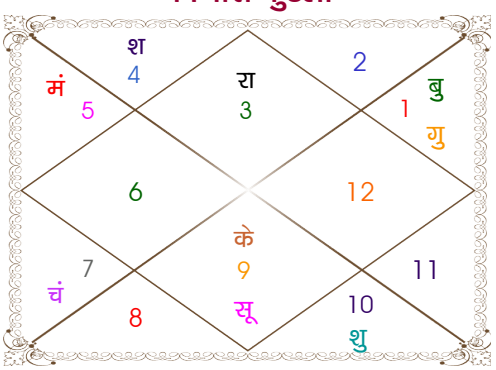

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 4 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/10/2004		28/02/2014		28/02/2031		28/02/2038		28/02/2058	
28/02/2014		28/02/2031		28/02/2038		28/02/2058		28/02/2064	
	00/00/0000	बुध	27/07/2016	केतु	27/07/2031	शुक्र	29/06/2041	सूर्य	18/06/2058
	00/00/0000	केतु	24/07/2017	शुक्र	26/09/2032	सूर्य	30/06/2042	चंद्र	17/12/2058
	25/10/2004	शुक्र	24/05/2020	सूर्य	31/01/2033	चंद्र	28/02/2044	मंगल	24/04/2059
शुक्र	19/02/2005	सूर्य	30/03/2021	चंद्र	01/09/2033	मंगल	30/04/2045	राहु	18/03/2060
सूर्य	01/02/2006	चंद्र	30/08/2022	मंगल	29/01/2034	राहु	29/04/2048	गुरु	04/01/2061
चंद्र	02/09/2007	मंगल	27/08/2023	राहु	16/02/2035	गुरु	29/12/2050	शनि	17/12/2061
मंगल	11/10/2008	राहु	15/03/2026	गुरु	23/01/2036	शनि	28/02/2054	बुध	23/10/2062
राहु	18/08/2011	गुरु	20/06/2028	शनि	03/03/2037	बुध	29/12/2056	केतु	28/02/2063
गुरु	28/02/2014	शनि	28/02/2031	बुध	28/02/2038	केतु	28/02/2058	शुक्र	28/02/2064

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/02/2064		28/02/2074		28/02/2081		28/02/2099		01/03/2115	
28/02/2074		28/02/2081		28/02/2099		01/03/2115		00/00/0000	
चंद्र	29/12/2064	मंगल	27/07/2074	राहु	11/11/2083	गुरु	18/04/2101	शनि	04/03/2118
मंगल	30/07/2065	राहु	15/08/2075	गुरु	06/04/2086	शनि	31/10/2103	बुध	11/11/2120
राहु	29/01/2067	गुरु	21/07/2076	शनि	09/02/2089	बुध	05/02/2106	केतु	21/12/2121
गुरु	30/05/2068	शनि	29/08/2077	बुध	30/08/2091	केतु	12/01/2107	शुक्र	26/10/2124
शनि	29/12/2069	बुध	27/08/2078	केतु	16/09/2092	शुक्र	12/09/2109		00/00/0000
बुध	31/05/2071	केतु	23/01/2079	शुक्र	17/09/2095	सूर्य	01/07/2110		00/00/0000
केतु	30/12/2071	शुक्र	24/03/2080	सूर्य	11/08/2096	चंद्र	31/10/2111		00/00/0000
शुक्र	29/08/2073	सूर्य	30/07/2080	चंद्र	10/02/2098	मंगल	06/10/2112		00/00/0000
सूर्य	28/02/2074	चंद्र	28/02/2081	मंगल	28/02/2099	राहु	01/03/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 4 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।